में कई छोटी बड़ी जल विद्युत योजनायें बनाई जा सकती हैं । इसके अतिरिक्त पिन्डर नदी को सरयू में मिला कर अगाध जल विद्युत पैदा की जा सकती है ।

सुरीनगाड़ नामक स्थान के लिये एक योजना केन्द्रीय सरकार ने स्वीकार की थी । उसके लिये राज्य विद्युत बोर्ड ने धन भी स्वीकृत किया था । अभी तक वह कार्य प्रारंभ भी नहीं हुआ है । उत्तर प्रदेश सरकार ने इस जनपद तथा अल्मोड़ा की माइक्रो हाईडिल योजनायें स्वीकृति हेतु ऊर्जा मंत्रालय को प्रस्तावित की हैं, जिनकी स्वीकृति अभी अपेक्षित है ।

अतः मेरा माननीय ऊर्जा मंत्री जी से निवेदन कि सिद्धांत रूप में जल विद्युत उत्पादन की योजनाओं के निर्माण को महत्व प्रदान करें तथा उत्तर प्रदेश के विद्युत मंत्री जी से वार्त्ता कर पिथौरागढ़ जिले की जल विद्युत क्षमता के उपयोग के लिये कोई दीर्घकालीन योजना तैयार करें ।

(iv) Development of Sanchi in Madhya Pradesh as a place of tourist attraction.

SHRI PRATAP BHANU SHARMA (Vidisha): Sir, in my Parliamentary constituency Vidisha, 'Sachi' is a tourists spot of International importance where every year hundreds of foreign tourists come to see the famous Sanchi stupa, 'Jatka' stories of Budha's era and historical arts of Ashoka's time, There is a configuration of Indian history, culture, religion and art at Sanchi and because of it Pandit Jawahar Lal Nehru, the first Prime Minister of India, had great love for this place and he has done a lot for the development of Sanchi and Vidisha but development of this place has almost stopped. In spite of its being in the National Tourism Map, there are no hotels for the tourists, no restaurant for meals, lack of adequate arrangements for drinking water at Stupa Hill, no means of motor transport to the Stupa on the hill. No special schemes are being started for the development of Sanchi by Central Tourism Department, State Tourism Department and Central Department of Archaeology. The State Government has promised to constitute a special area development authority for the development of Sanchi and prepared a master plan of approximately 1 crore of rupees, but there is no progress in this Plan till now.

It is my request to the Union Tourism Minister that the plans for the development of Sanchi may be implemented expeditiously. There should be a tourism centre at Vidisha where the tourists should get all the information and transport facilities. In view of the increasing number of tourists, arrangement of Mini-buses and tourist taxis is necessary.

It is requested that Government will take action in this regard.

(v) Need to protect fishermen on the Ramanathapuram and Rameshwaram Coastline of Tamil Nadu.

SHRI M. S. K. SATHIYENDRAN (Ramanathapuram): It is common knowledge that our fishermen are harassed on the Ramanathapuram and Rameshwaram coastile of Tamil Nadu. With the Kaccha-Thivu having been handed over to Sri Lanka, the patrolling of Sri Lanka Navy on Ramanathapuram coast has increased in intensity. It is necessary to give protection to these helpless fishermen by our Indian Coast Guard Organisation. This Organisation has got some worn-out vessels for patrolling. They are not able to extend protection to the fishermen. The Indian Coast Guard Organisation has proposals to acquire helicopters to patrol serially the exclusive economic zone of 320 KMs.

There is no emergency airstrip in Uchipuli, 25 Km. from Ramanathapuram. This should be developed for the purpose of assisting the Indian

[Shri M. S. K. Sathigendram]

Coast Guard Organisation and as a tleferic air-abise also. The strategic importance demands immediate action.

(vi) Need for taking steps to develop Mathura and Vrindaban towns of U.P. as places of tourist attraction.

श्री दिगम्बर सिंह (मथुरा) : मथुरा और वृन्दावन में भारत से ही नहीं पूरे संसार से यात्री आते हैं । जितने तीर्थ स्थान इस ब्रज क्षेत्र में हैं उतने हमारे देश में कहीं नहीं । पूरे वर्ष यात्री आते रहते हैं । अमरीका, यूरोप और अन्य देशों के जितने यात्री यहां दिखाई देते हैं अन्य स्थानों पर नहीं । इन नगरों की सरकार की ओर से उपेक्षा की गई हैं । तीर्थ-स्थानों की सूची में इन नगरों का नाम नहीं । टूरिस्ट विभाग का कोई काम भी यहां नहीं । कोई ओडिटोरियम भी नहीं । मथुरा, वृन्दावन में यमुना के घाट नहीं बनवाये । बने हुये बिना मरम्मत के टूटे जा रहे हैं । गन्दे पानी के यमुना में आने से नहाने योग्य नहीं रहा । छपाई के कारखानों का पानी यमुना के पानी को जहरीला बना रहा है ।

मथुरा का भगतसिंह पार्क शौचालय बना हुआ है । सड़क व गलियां खराब हैं । नल के पानी के अभाव में जनता अत्यन्त दुखी है । बी० स० ए० कालेज क पास गन्दे पानी की स्थाई झील बन गई है । उद्योग विभाग और आवास एवं विकास परिषद् की योजनाओं के कारण भी गन्दा पानी मथुरा नगर में ही आयगा ।

मेरा केन्द्रीय सरकर से निवेदन है कि वृन्दावन में यमुना का पुल बनाया जाय । मथुरा वृन्दावन के घाट बनवाये जायें । गन्दा पानी यमुना में आने से रोका जाय । सड़क व गलियां ठीक कराने की सहायत की जाय । आडीटोरियम बनना चाहिये । टूरिस्ट विभाग ठहरने को भवन बनवाय । मथुरा वृन्दावन को तीर्थस्थानों की सूची में लाया जाय । पीने के पानी की समस्या हल की जाय, जनता के लिये श चालय बनवाय जाय । जो काम केन्द्रीय सरकार कर सकती है वह करे और अन्य के लिये उ० प्र० सरकार को अनुदान देकर सहायता करे ।

(vii) Need for taking steps to improve economic condition of handloom weavers in the country.

श्री हरिकेश बहादूर (गोरखपुर) : मान्यवर, हथकरघा उद्योग से हमारे देश के कई करोड़ लोग संबंधित हैं । उनमें से अधिकांश लोगों की जीविका इसी उद्योग पर आधारित है । किन्तु यह दुख का विषय है कि इस उद्योग में लगे हुये लोगों की आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है क्योंकि बढ़ती हुई मुद्रास्फीति के कारण सूत और कैमिकल्स की कीमतें निरन्तर बढ़ रही हैं । आज हमारे देश में ऐसे अनेक बुनकर परिवार हैं जो भुखमरी के कगार पर पहुंचने की स्थिति में आ गये हैं । सरकार द्वारा छठी पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत इस उद्योग को एक विशेष प्रकार का संरक्षण प्रदान किये जाने की आवश्यकता है । सूत और कैमिकल्स के मूल्यों में तत्काल कमी करना अत्यन्त अनिवार्य है तथा हथकरघा विकास निगमों द्वारा बुनकरों के माल की खरीद तेजी से की जानी चाहिये साथ ही पावरलूम की अवैध खरीद तत्काल समाप्त होनी चाहिये । इस प्रकार के निगमों के अध्यक्ष किसी अनुभवी बुनकर को ही बनाना चाहिये तथा बुनकरों को दिये गये 3000 (तीन हजार) रुपये तक के कर्ज माफ कर दिये जाने चाहिये । सरकार को शीघ्र इस दिशा में कदम उठाना चाहिये ।